



लविवि शिक्षकों का दल नेपाल रवाना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों का एक दल कुलपति के नेतृत्व में नेपाल के लिए रवाना हुआ। यह दल नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन करने के साथ ही समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं हैं। इसके आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना शुरू हो चुका है। शिक्षक दल नेपाल में तीन बिंदुओं नेपाल और भारत के बीच व्यापक और सकारात्मक शैक्षिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में चर्चा में लाना और चुनिंदा उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाओं के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक संवाद और आवश्यकतानुसार समझौता ज्ञापन स्थापित करने पर अध्ययन करेगा। दल में वीसी के साथ डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. आरपी सिंह, प्रो. अवधेश त्रिपाठी, डॉ. केया पाण्डेय, प्रो. सतेंद्र पाल सिंह, वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी शामिल हैं। (संवाद)

एमपीएड, एमलिब का पहला सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लविवि में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में बृहस्पतिवार को एमपीएड व एमलिब का पहला सीट आवंटन जारी कर दिया गया। अर्थार्थी लविवि की वेबसाइट पर लॉगइन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से विवरण देख सकते हैं। सीट आवंटन वाले सभी अभ्यर्थियों को 30 सितंबर की मध्यरात्रि तक लिवि की वेबसाइट पर ऑनलाइन फीस जमा करनी होगी। किसी तरह की समस्या होने पर अभ्यर्थी प्रवेश समन्वयक कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। (संवाद)

शहीद-ए-आजम को किया नमन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर सोमवार को श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर सभी शिक्षकों ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू व अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी के नेतृत्व में भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। छात्रों ने भगत सिंह की याद में मार्च निकाल कर उनके नारे बुलंद किए। उधर, समाजवादी छात्रसभा की ओर से लिवि में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इमरान ने नौजवानों को भगत सिंह के जीवन से सीखने व प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। (संवाद)

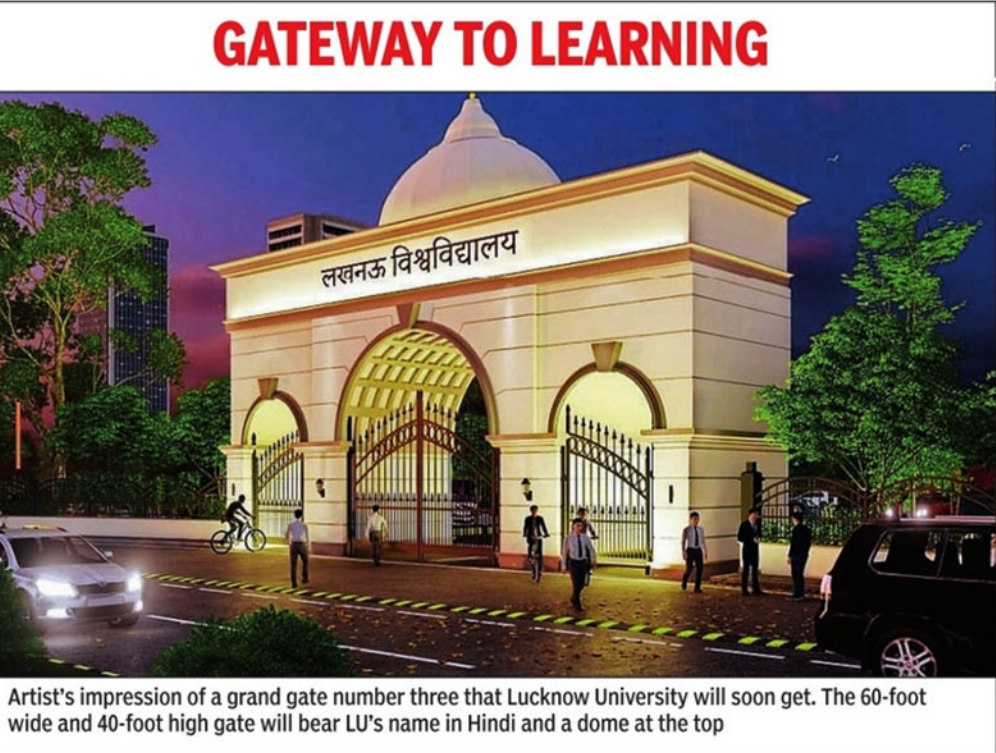
राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं

कुलपति प्रो. आलोक कुमार के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि मंडल नेपाल पहुंचा

लखनऊ (एसएनबी)। शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण और समन्वय की नीति के अंतर्गत पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन करने तथा उनके विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में

■ नीति के आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना प्रारंभ हो चुका है : डॉ. आलोक राय

बृहस्पतिवार को एक प्रतिनिधि मंडल रवाना हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं हैं, इसे विश्व पटल पर रखने की आवश्यकता है। इसके आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना प्रारंभ हो चुका है, अब आवश्यकता है इसके आदर्शों और मंतव्य को वर्तमान वैश्विक परिवेश में वैश्विक साझेदारों एवं अन्य पक्षों के साथ संवाद किया जाए। यह प्रतिनिधि मंडल नेपाल में मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर अध्ययन करेगा, नेपाल और भारत के बीच व्यापक और सकारात्मक शैक्षिक आदान प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सदाशय पूर्वक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में चर्चा परिचर्चा में लाना और चुनिंदा उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाओं के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक



शहीदे आजम भगत सिंह को किया नमन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स ने शहीदे-आजम भगत सिंह के योगदान को याद किया। उनकी प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। एल्यू कैपस में मैत्री भवन के पास उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने श्रद्धांजलि देकर नमन किया। कार्यक्रम में डीन आर्ट्स, डीन साइंस, डीन छात्र कल्याण, निदेशक आईक्यूएसी और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, प्रॉक्टर और संकाय सदस्य, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और छात्र मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हैं वैश्विक संभावनाएं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण और समन्वय की नीति के तहत पड़ोसी देश नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन करने तथा उनके विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधि मंडल रवाना हुआ। प्रतिनिधि मंडल को दिशा निर्देश देते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं हैं, इसे विश्व पटल पर रखने की आवश्यकता है। यह प्रतिनिधि मंडल नेपाल में मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर अध्ययन करेगा। नेपाल और भारत के बीच व्यापक और सकारात्मक शैक्षिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सदाशय पूर्वक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में चर्चा परिचर्चा में लाना और चुनिंदा उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाओं के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक संवाद और आवश्यकतानुसार समझौता ज्ञापन स्थापित करना।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हैं वैश्विक संभावनाएं : प्रो. आलोक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण और समन्वय की नीति के तहत पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के शैक्षिक और शोध परितंत्र का अध्ययन करने तथा उनके विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल रवाना हुआ। प्रतिनिधि मंडल को दिशानिर्देश देते हुए कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में वैश्विक संभावनाएं हैं, आवश्यकता है इसे विश्व पटल पर रखने की। इसके आदर्शों और मानकों का लाभ देश के शैक्षिक संस्थानों को मिलना प्रारंभ हो चुका है, अब जरूरत है इसके आदर्शों और मंतव्य को वर्तमान वैश्विक परिवेश में वैश्विक साझेदारों एवं अन्य पक्षों के साथ संवाद किया जाए। यह प्रतिनिधि मंडल नेपाल में



मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर अध्ययन करेगा। नेपाल और भारत के बीच व्यापक व सकारात्मक शैक्षिक आदान प्रदान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सदाशयपूर्वक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय शिक्षा नीति के रूप में चर्चा परिचर्चा में लाना और चुनिंदा उत्कृष्ट शैक्षिक संस्थाओं के साथ अकादमिक, सांस्कृतिक संवाद और आवश्यकतानुसार समझौता ज्ञापन स्थापित करना। इसके अलावा

प्रतिनिधि मंडल नेपाल के आम जनमानस में शिक्षा के वैश्विक आयामों पर भी अध्ययन, चर्चा व चिंतन संवाद करेगा और कुछ उच्च शिक्षण परिसरों में चर्चा-परिचर्चा में भी प्रतिभाग करेगा। कुलपति के नेतृत्व वाले इस प्रतिनिधि मंडल में लविवि की डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्र, डायरेक्टर इंटरनेशनल सेल प्रो. आरपी सिंह, डीन कॉलेज

डेवलपमेंट कार्सिल प्रो. अवधेश त्रिपाठी, निदेशक पीएम रुसा, डॉ. केया पाण्डेय, उपक्रम के एसोसिएट इंटरनेशनल डायरेक्टर एवं प्रो. सतेंद्र पाल सिंह एवं लविवि की वित्त अधिकारी हिमानी चौधरी शामिल हैं। कुलपति के निर्देशानुसार सभी सदस्य अपनी-अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में शैक्षिक परिदृश्य का अध्ययन करके नीति निर्धारण के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। लविवि ने इस प्रतिनिधि मंडल का नाम क्षितिज समन्वय 1.1. के तहत एक व्यापक रूपरेखा कल्पित की है। प्रो. राय ने कहा कि पड़ोस प्रथम की हमारी नीति निकट भविष्य में व्यापक परिणाम देगी। हमने भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मानकानुसार लविवि में विभिन्न स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन किए हैं।

भगत सिंह के जीवन संघर्षों को किया याद



स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह के जन्मदिन पर मैत्री भवन के पास स्थापित भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद तमाम विभागों के प्रमुख ने क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह ने जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्षों को याद किया और देश की आजादी के लिए उनके किए कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर लिवि के डीन आर्ट्स, डीन साइंस, डीन छात्र कल्याण, निदेशक आईक्यूएसी और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्रमुख, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक, प्रॉक्टर, संकाय सदस्य, शिक्षणेत्तर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रही।